



किरायेदार भाभी-1

“मैंने एक बेंच पर दीवार से चिपक कर उस पर खड़ा हो गया और अन्दर झाँकने लगा, भैया और भाभी एक ही पलंग पर थे, भैया भाभी की चुचियों को ब्लाउज के ऊपर से ही मसल रहे थे ...”

Story By: (raj230180)

Posted: Friday, August 20th, 2010

Categories: [पड़ोसी](#), [भाभी की चुदाई](#)

Online version: [किरायेदार भाभी-1](#)

किरायेदार भाभी-1

दोस्तो, आपने

मेरी सच्ची कहानियाँ

पढ़ी हैं और वो सभी आपको पसंद भी आई होगी, आज मैं आपको और एक सच्ची कहानी बताने जा रहा हूँ!

आपको याद दिला दूँ कि मैं एक छोटे से गाँव में रहता हूँ और हमारा मकान पुराना है!

बात 1995 की है तब मैं बारहवीं में पढता था। हमारे गाँव एक आदमी पोस्टमैन की ड्यूटी स्थानांतरण पर आया हुआ था और उसकी 3 साल पहले शादी हुई थी और एक दो साल की बच्ची भी थी। उसकी उम्र करीब 30 साल और उसके बीबी की 20 साल थी। भाभी का नाम रेखा था और दिखने में एकदम वो गोरी, सुन्दर, 5'1' ऊँचाई, 36' की चूची, 30' की कमर और 36' के चूतड़! उन्होंने मेरे घर से सटे मेरे ही रिश्तेदार का घर किराये से लिया था।

गाँव के घरों के बारे बता दूँ तो मेरा और उनका घर चिपका हुआ था, बीच में एक मिट्टी की दीवार ही थी जिसमें ऊपर की तरफ बांस की ताटियाँ लगी हुई थी जिससे इधर का उधर से कुछ भी देख सकते थे।

अभी उनको दो महीने बीत चुके थे जिसकी वजह से उनसे हमारे अच्छे सम्बन्ध बन गए थे। रोज किसी न किसी बात से मेरी रेखा भाभी से बातचीत होती ही रहती थी। उसका पति हर शनिवार और रविवार को अपने गाँव में जाता था तब भाभी का ख्याल रखने के लिए हमारे घर में कह कर जाता था।

बुधवार था, मेरे घर के लोग शादी के लिए मेरे रिश्तेदार के गाँव गए हुए थे और मैं मेरी परीक्षा की वजह से अकेला ही घर पर था। रात को दस बजे मैं अपनी पढ़ाई खत्म करके

सोने गया तो थोड़े ही देर के बाद मुझे भाभी के घर के अन्दर से सिसकारियाँ भरने की आवाज सुनाई पड़ी- आह्ह... आह्ह... हम्म.. हम्म.. आवाजें सुन कर ऐसे लग रहा था जैसे अन्दर चुदाई चल रही हो!

आवाज सुनते ही मेरे लंड ने खड़ा होना शुरू कर दिया तो मैं भी अन्दर क्या हो रहा है देखने के लिए बेताब हो रहा था!

मैंने एक बेंच उठाया और दीवार से चिपक कर उस पर खड़ा हो गया और अन्दर झाँकने लगा। अन्दर में मध्यम सी रोशनी थी, भैया और भाभी एक ही पलंग पर थे, भैया भाभी की चुचियों को ब्लाउज के ऊपर से ही मसल रहे थे, भाभी अपने एक हाथ से साड़ी के ऊपर से अपनी चूत पर हाथ घुमा रही थी और दूसरे हाथ से भैया का लंड हिला रही थी। भाभी पूर्ण रूप से गर्म हो गई थी जिसकी वजह से उसकी आवाज बढ़ गई थी लेकिन 15 मिनट के बाद भी भैया का लंड खड़ा नहीं हो रहा था।

अगले ही पल भाभी ने गुस्से से भैया का लंड छोड़ दिया और एक धक्का मार कर उनको अपने से दूर कर दिया! उन्होंने अपनी साड़ी को ऊपर उठा लिया और अपनी पैंटी को घुटने तक नीचे उतार दिया!

वाह क्या चूत थी भाभी की! एकदम गोरी गोरी, जिस पर एक भी बाल नहीं था! यह कहानी आप अन्तर्वासना.कॉम पर पढ़ रहे हैं।

मेरा तो एक ही झटके में लंड खड़ा हो गया था और देख देख कर मैं अपने लंड को आगे पीछे कर रहा था।

अब भाभी ने अपनी उँगलियाँ चूत में डाल दी और आगे-पीछे करने लगी और दूसरे हाथ से अपनी चुचियाँ मसलने लगी। भैया यह सब तमाशा भड़वे के जैसे देख रहे थे। मेरा तो मन

कर रहा था कि मैं भाभी को चोद डालूँ और उसकी जवानी का रसपान करूँ।

अब भाभी अपने चरम पर थी और जोर-जोर से ऊँगली अन्दर-बाहर कर रही थी, आह्ह...आह्ह.. की आवाज भी बढ़ गई थी और थोड़ी ही देर के बाद भाभी झड़ गई!

उन्होंने अपनी चूत को कपड़े से साफ किया और भैया को गालियाँ देने लगी- भड़वे! तेरे लंड में ताकत नहीं थी, तो क्यों शादी की? कुछ शर्म तो करनी थी कि अपने से 10 साल छोटी लड़की से क्यों शादी करूँ? अब मैं किससे अपनी प्यास बुझाती रहूँ! तेरा लंड तो अब किसी कम का नहीं रहा!

भैया नीचे मुंडी करके सब सुन रहे थे लेकिन उनकी बोलने की भी हिम्मत नहीं हो रही थी। थोड़ी देर बाद भाभी ने अपनी चादर ली और औढ़ कर सो गई।

वैसे तो मैंने भाभी को नहाते हुए बहुत बार देख चुका था, उनकी चूचियों को भी देखा था लेकिन आज उनकी चूत की अधूरी प्यास देख कर मेरे मन में भाभी को चोदने की इच्छा जागृत हुई थी और इसके बाद मैं भाभी को चोदने के लिए प्रयत्न करने लगा कि कैसे भाभी को पटाऊँ!

हर शनिवार के दिन सुबह की स्कूल होने की वजह से मैं 12 बजे तक घर पहुँचता था और उसके बाद मैं भाभी के घर में ही टीवी देखता था। भैया चिट्ठियाँ बाँटने के लिए सुबह ही निकल जाते थे और शाम को 5 बजे आते थे, उसके बाद शनिवार और रविवार 2 दिन के लिए अपने गाँव को जाते थे।

एक शनिवार को मैं अपने एक दोस्त के पास से आजादलोक नाम की सेक्सी कहानियों वाली किताब लाया जिसमें रंगीन फोटो भी थे और किताब लेकर भाभी के यहाँ चले गया! तब भाभी टीवी देखने व्यस्त थी! मैं एक कुर्सी पर बैठ गया जानबूझकर फोटो वाला पन्ना

भाभी के तरफ कर दिया !

थोड़ी ही देर के बाद सीरियल खत्म हो हुआ तो भाभी का ध्यान मेरे तरफ गया !

भाभी मेरे हाथ में किताब की फोटो देखने लगी और उठ कर मेरे पास आ गई और मेरे हाथ की किताब छीन ली !

मैं बोला- भाभी, यह क्या कर रही है आप ? मेरी किताब वापस करो !

मैं जानबूझकर नाटक कर रहा था ।

भाभी बोली- नहीं देती ! मुझे भी पढ़ने दो, क्या है इसमें ?

मैं बोला- भाभी यह अच्छी किताब नहीं है, गन्दी किताब है ! आप पढ़ के क्या करोगी ?

भाभी बोली- तुम पढ़ सकते हो तो मैं क्यों नहीं पढ़ सकती ?

और ऐसा बोल कर उन्होंने शाम को पढ़ने के बाद रात को वापस करने का वादा किया ।

मैं मन में ही खुश हो रहा था कि अपनी योजना काम कर रही है और जल्द ही भाभी को चोदने का मौका मिलने वाला है ।

मैं बोला- ठीक है, आपको पढ़ना है तो पढ़ लो लेकिन पढ़ने के बाद मुझे कुछ नहीं बोलना कि इतनी गन्दी किताब पढ़ते हो करके या कुछ !

भाभी बोली- ठीक है, नहीं बोलूंगी !! अब जाओ और मुझे पढ़ने दो, रात को नौ बजे आना, मैं तुम्हें तुम्हारी किताब वापस कर दूंगी !

और मैं उनके यहाँ से चला आया ।

रात को खाना खाने के बाद ठीक 9 बजे मैं भाभी के यहाँ फिर से गया !

कहानी जारी रहेगी ।

राजेश वानखेडे

raj230180@gmail.com

Other stories you may be interested in

पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-2

मेरी सेक्सी कहानी के पिछले भाग पड़ोसन भाभी के साथ सेक्स एंड लव-1 में आपने पढ़ा कि कैसे मैं नैना के इतने करीब आ गया था हम दोनों ने एक दूसरे के होंठों के रस का मजा ले लिया था. [...]

[Full Story >>>](#)

काम तृप्ति का सुखद अहसास

दोस्तो, मेरा नाम अर्चना गुप्ता है, मैं अभी चालीस साल की नहीं हुई हूँ ; हो जाऊँगी जल्दी ही। मैं एक शादीशुदा औरत हूँ, तीन बच्चे हैं मेरे, गोरखपुर में रहती हूँ। मैं एक बड़े सरकारी कॉलेज में प्रोफेसर हूँ। मेरे [...]

[Full Story >>>](#)

मदमस्त काली लड़की का भोग-2

पिछले भाग में आपने पढ़ा कि ट्रेन में मिली काली सलोनी लड़की की तरफ आकर्षित होकर मैंने उसके साथ प्रेम संबंधों की बात छेड़ दी. मैं अपने मकसद में कामयाब भी हो गया और वह आकर मेरे पहलू में बैठ [...]

[Full Story >>>](#)

हवसनामा : मेरी चुदती बहन-2

“अभी बैठे-बैठे तेरी बहन के बारे में सोच रहा था। झेल पायेगी उसकी चूत।” वह लहराती हुई आवाज में बोला और ऐसे तो मुझे आग लग गयी लेकिन मेज पर रखे कट्टे की तरफ देख कर मेरे अंदर उठा गुस्से [...]

[Full Story >>>](#)

दीदी को चोद कर बीवी बनाया-2

इस सेक्स स्टोरी के पिछले भाग दीदी को चोद कर बीवी बनाया-1 में आपने पढ़ा था कि मैं किचन में दीदी के पीछे खड़े हो कर उसके मम्मों को टच कर रहा था, जिसका वो कोई विरोध नहीं कर रही [...]

[Full Story >>>](#)

